पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कृति सेनन - इंजीनियरिंग छोड़ चुनी एक्टिंग की राह

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 98 ■ मंगलवार 23 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

कल्याण-उल्हासनगर में 2 दिन पानी बंद

जलसंकट — शुक्रवार रात 12 बजे से रविवार रात 12 बजे तक नहीं होगी जलापूर्ति

उल्हासनगर. अल नीनो के बढ़ते असर और बारिश की अनिश्चितता के कारण, एमआईडीसी ने आने वाले समय में पानी की कमी को रोकने के लिए जल संसाधन विभाग के निर्देशानुसार कल्याण तालुका के बारवी, शहाड़ और अंबरनाथ तालुका में जांभूल जल शोधन केंद्र को शुक्रवार रात 12 बजे से रविवार रात 12 बजे तक बंद करने का फैसला किया है। इसलिए, अंबरनाथ में एमआईडीसी के कार्यकारी अभियंता ने घोषणा की है कि इस दौरान MIDC द्वारा सप्लाई किए जाने वाले शहरों में पानी की सप्लाई नहीं होगी।

इस आदेश के अनुसार, MIDC ने शुक्रवार रात 12 बजे से रविवार रात 12 बजे तक अपने बारवी, जांभूल और शहाड़ सेंटर पर पानी साफ़ करने के सेंटर बंद करने का फ़ैसला किया। कल्याण, शहाड़, डोंबिवली रेजिडेंशियल, इंडस्ट्रियल एरिया और कल्याण रूरल के 27 गाँवों में पानी की सप्लाई, जिन्हें इन तीन पानी साफ़ करने के सेंटर से पानी सप्लाई होता है, 24 घंटे बंद रहेगी। कल्याण-शिलफाटा रोड के किनारे नए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स और जगहें इस पानी की कमी से प्रभावित होंगी। हालांकि शुक्रवार से रविवार तक पानी की सप्लाई बंद रहेगी, लेकिन आने वाले समय के लिए पानी की सप्लाई की प्लानिंग और पानी के संकट को देखते हुए उसके बाद भी कम प्रेशर पर पानी सप्लाई किया जाएगा।

27 गांवों के एक जागरूक नागरिक नरेश पाटिल ने कहा कि कल्याण रूरल एरिया को 110 मिलियन लीटर पानी सप्लाई करने की मंज़ूरी है। असल में, इस इलाके में रेगुलर 60 मिलियन लीटर पानी सप्लाई होता है। कल्याण ग्रामीण के 27 गांवों के लोग पहले ही पानी की कमी से परेशान हैं। लोग पानी के लिए तड़प रहे हैं। ऐसे में अगर 24 घंटे पानी बंद कर दिया जाए और उसके बाद भी सही प्रेशर से पानी सप्लाई न हो, तो पानी की वजह से अफरा-तफरी मच जाएगी.

पानी की इस कमी को देखते हुए कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका और कंस्ट्रक्शन की मंज़ूरी देने वाली सरकारी एजेंसियों को फिलहाल नई बिल्डिंग बनाने के प्रपोज़ल पर रोक लगा देनी चाहिए।

कल्याण-डोंबिवली में 20% पानी कटौती जारी

कल्याण-डोंबिवली मनपा प्रशासन ने पानी की कमी के गंभीर संकट को देखते हुए पिछले हफ्ते से मनपा सीमा में 20 प्रतिशत पानी की कटौती शुरू कर दी है। हर हफ्ते अलग-अलग इलाकों में पानी की सप्लाई बंद की जा रही है। MIDC से पानी की सप्लाई को लेकर जल संसाधन विभाग ने शुक्रवार को मुंबई में एक मीटिंग की। इस जल सप्लाई रिव्यू मीटिंग में हालांकि जून का महीना खत्म हो रहा है, लेकिन बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। चूंकि अल नीनो का असर बढ़ रहा है, इसलिए आने वाले समय में बारिश का अंदाजा लगाना संभव नहीं है। इसलिए, पानी की बड़ी कमी को रोकने के लिए, हर हफ़्ते रेगुलर पानी सप्लाई करने वाले अधिकारियों को पानी कम करना चाहिए, ऐसा मीटिंग में निर्देश दिया गया है।

फेरीवालों के खिलाफ नपा की कार्रवाई जारी

■ सोमवार बाजार बंद

■ फेरीवालों में मचा हड़कम्प

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवाजी चौक एवं स्टेशन रोड पश्चिम में फेरीवालों, हाथगाड़ियों पर गत कई दिनों से नगर परिषद अतिक्रमण विभाग की रोजाना सुबह शाम कार्रवाई शुरू है. शहर पश्चिम के स्टेशन रोड पर हर हफ्ते सोमवार बाजार लगता है. जिसके कारण शाम और रात के समय लोगों का चलना फिरना एवं ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न होने से लोगों द्वारा शिकायत करने पर इस हफ्ते भी सोमवार बाजार पर अतिक्रमण विभाग के कर्मचारियों ने जबरदस्त कार्रवाई की है. जिसके कारण एक भी फेरीवाले यहां पर दिखाई नहीं दिए. ये फेरीवाले बाहरी शहरों से आते हैं. जिनसे कुछ हफ्तावसूली करने वाले लोग 100 से 300 रुपए तक वसूली करते हैं. हफ्ता वसूली करने वालों की हफ्ता वसूली भी बंद हो गई है. मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के आदेश पर अतिक्रमण विभाग के अधिकारी नरेंद्र संखे, गावित की देखरेख में हुसैन जहांगीरदार, आनंद भीवाल, लक्ष्मण पारडे, शैलेश नागपुरे, संजय गायकवाड़, संजू विश्वलिंगम, दिन रात इस कार्य में लगे हुए हैं. जिसके कारण अब छत्रपति शिवाजी महाराज चौक शहर पूर्व, स्टेशन रोड एवं छाया अस्पताल रोड पर फेरीवाले दिखाई नहीं दे रहे हैं. केबी रोड पर बुवापाड़ा के पास भी फेरीवाले बड़ी संख्या में धंधा कर रहे थे. पिछले दिनों यहां पर भी नपा ने कार्रवाई की है. फेरीवाले भी बहुत ढीठ हो गए हैं. जैसे ही अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी हट जाते हैं या दोपहर का खाना खाने जाते हैं, तो ये वापस बैठ जाते हैं. विभाग के कर्मचारियों को फिर से उन पर कार्रवाई करनी पड़ती है.

तड़ीपार गुंडा पिकाचू गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर पुलिस ने जेतवननगर से खेमानी इलाके के रहने वाले पिकाचू को गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ तड़ीपारी ऑर्डर तोड़ने का केस दर्ज किया है। खेमानी इलाके के रहने वाला सागर उर्फ संजय सुरदकर उर्फ पिकाचू को तड़ीपार किया गया है. इस बीच, गुरुवार शाम 7 बजे पुलिस ने उसे जेतवननगर के रमाबाई अंबेडकर हिल पर देखा। उसे ठाणे जिले, मुंबई शहर, मुंबई के

उपनगरों के साथ-साथ रायगढ़ जिले के कर्जत और पनवेल तालुका से दो साल के लिए तड़ीपार किया गया था। हालांकि, चूंकि वह शहर में घूम रहा था, इसलिए पुलिस ने यह कार्रवाई की।

कब्रिस्तान के लिए मुस्लिम संगठन का आंदोलन

■ वंचितों का आंदोलन को सपोर्ट

■ पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंतज़ाम किए

उल्हासनगर. कब्रिस्तान की ज़मीन पर दफ़नाने की इजाज़त की मांग को लेकर एक मुस्लिम संगठन प्रोटेस्ट कर रहा है और वंचित बहुजन अघाड़ी ने इस आंदोलन को सपोर्ट किया है।

प्रोटेस्ट करने वालों का कहना है कि कब्रिस्तान का मामला कई सालों से पेंडिंग है और इस बारे में बार-बार वादे किए गए हैं, लेकिन असल में कोई पक्का फ़ैसला नहीं हुआ है। इसलिए, प्रोटेस्ट करने वालों ने यह महसूस किया कि समाज को अपने बेसिक हक़ और इज्ज़त के लिए सड़कों पर उतरना होगा। यह मामला दफ़नाने का नहीं, बल्कि धार्मिक आज़ादी, इज्ज़त और बेसिक नागरिक सुविधाओं का है। प्रोटेस्ट करने वालों ने यह राय ज़ाहिर की है।

एहतियात के तौर पर, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस अमोल कोली और सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शंकर अवताड़े ने डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस सचिन गोरे के गाइडेंस में कड़ी पुलिस सिक्योरिटी तैनात की थी।

इस बैकग्राउंड में, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे ने भूख हड़ताल करने वालों से मुलाकात की और उनकी मांगों पर बात की। उन्होंने उन्हें कुछ मांगों पर पॉज़िटिव कदम उठाने का भरोसा दिलाया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि वे सिर्फ जुबानी भरोसे से नहीं मानेंगे और चेतावनी दी है कि जब तक लिखित भरोसा और कोई पक्का फैसला नहीं मिल जाता, भूख हड़ताल जारी रहेगी।

कब्रिस्तान का मुद्दा कई सालों से पेंडिंग

इस बीच, वंचित बहुजन आघाड़ी के ठाणे ज़िला प्रेसिडेंट मनोज पवार, प्रवक्ता सोनू पवार, कॉर्पोरेटर विकास खरात और कॉर्पोरेटर सुरेखा सोनावणे ने इस आंदोलन का खुलकर सपोर्ट किया है और पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भूख हड़ताल वाली जगह पर मौजूद हैं और प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि कई सालों के बयानों, मार्च, विरोध और भूख हड़ताल के बावजूद इस मुद्दे का पक्का हल नहीं निकला है। इसलिए, जल्द ही फैसला न होने पर आंदोलन को और बढ़ाने की चेतावनी दी गई है।

नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न मामले में दोषी को 20 साल की सजा

ठाणे. नवी मुंबई की एक अदालत ने एक व्यक्ति को पांच साल पुराने 11 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न मामले में दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई. अदालत ने कहा कि पीड़िता और गवाहों की गवाही पूरी तरह विश्वास योग्य है.

बेलापुर अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रसन्ना चंदगुडे ने आरोपी अनिल अगारे को भारतीय न्याय सहिंता की संबंधित धाराओं और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोषी पाया और तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया. अभियोजन पक्ष के अनुसार 23 नवंबर, 2021 को अपने घर के बाहर खेल रही लड़की को बहला-फुसलाकर आरोपी अपने साथ ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया.

अंबरनाथ पुलिस की तत्परता से विद्यार्थी NEET परीक्षा दे सकी

■ पुलिस विभाग की सभी स्तर पर प्रशंसा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस द्वारा तुरंत दिखाई गई तत्परता के कारण एक विद्यार्थी को अपनी महत्वपूर्ण NEET की परीक्षा देने में कामयाबी मिली है. विद्यार्थी का नाम अलीशा है. जब वह परीक्षा केंद्र पहुंची तो प्रवेश के लिए उसके पास आवश्यक फोटो नहीं थे. उसके पास पैसे भी नहीं थे. जिसके कारण परीक्षा केंद्र पर प्रवेश केलिए अड़चन निर्माण हो गया. इस घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद, सहायक पुलिस निरीक्षक पानसरे ने तत्काल अलीशा को फोटो निकलाने के लिए ले गए. वहां

पुलिस ने पैसे अदा करने के बाद वापस केंद्र पर लाकर छोड़ा. आर्डनेंस इस्टेट के केंद्रीय विद्यालय में NEET परीक्षा केंद्र था. अंबरनाथ पुलिस ने सरकारी वाहन में महिला पुलिस ने अलीशा को फोटो स्टुडियो ले गए. परीक्षा केंद्र पर फोटो देने के बाद उसे परीक्षा केंद्र में जाने के लिए अनुमति दी गई. आश्चर्य तो इस बात का है कि इतनी महत्वपूर्ण परीक्षा देने केलिए आलीशा के साथ कोई परिवार का सदस्य साथ में नहीं था. अलीशा को परीक्षा केंद्र में दाखिला मिलने पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एवं पुलिसकर्मियों ने राहत की सांस ली. अलिशा ने बाद में अपने बयान में कहा कि पुलिस ने जो मुझे सहकार्य किया है. उसके कारण मैं अपनी परीक्षा दे सकी हूं. उनकी सहायता से मेरा वर्ष बच गया है. मैं और मेरा परिवार पुलिस वालों का दिल से आभार व्यक्त करते हैं. अंबरनाथ पुलिस के खाकी वर्दी की समझदारी एवं इन्सानियत के कारण अलिशा को जरूरत के समय मदद मिली. इस कार्य की सभी स्तर पर प्रशंसा की जा रही है.

नगराध्यक्षा ने सभी नगरसेवकों को चाय पार्टी पर बुलाया

अंबरनाथ. अंबरनाथ की नगराध्यक्षा ने शुक्रवार को सभी पक्ष के नगरसेवकों की चाय पार्टी का आयोजन अंबरनाथ नगर परिषद के मीटिंग हॉल में आयोजित किया. चुनाव के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि आपसी विवादों, मतभेदों को दूर करने के लिए चाय पार्टी का आयोजन हुआ है.

अंबरनाथ नपा चुनाव के 6 माह के बीतर दो आम सभा का आयोजन हुआ है. दोनों आम सबा में शिवसेना और भाजपा के नगरसेवकों के बीच तू-तू मैं-मैं और झड़प देखी गई. एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए. ये सब दोनों पक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने भी देखा. आखिर वरिष्ठों ने गठबंधन करने का निर्णय लिया. इसके बाद भी शिवसेना के कुछ नगरसेवकों को ये मान्य नहीं था. गठबंधन की जैसे ही घोषणा हुई, विधान परिषद के चुनावकी घोषणा हुई. आचार संहिता लागू होने के बाद सभी विकास कार्य मीटिंगें रुक गई. तीसरी आम सभा एवं विषय समिति के चुनाव भी रुक गए. अब आचार संहिता शिथिल होने के बाद नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल ने गठबंधन को देखते हुए शुक्रवार को पहला काम ये किया कि आपस की दूरियों को कम करने के लिए सभी पक्ष के नगरसेवकों की एक बैठक बुलाकर चाय पार्टी का आयोजन किया. इस बैठक में शहर के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई. सभी ने हंस-खेल कर एक दूसरे से बातचीत की और चर्चा की. लेकिन क्या यही माहौल आगामी आम सबा में भी देखने को मिलेगा. या फिर ये नगरसेवक एक-दूसरे के खिलाफ आस्तीन चढ़ाकर आमने-सामने आ जाएंगे. ये तो आने वाला समय ही बताएगा.

शिवमंदिर इलाके में रिजर्वेशन के खिलाफ VHP-बजरंग दल आक्रामक

■ अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

उल्हासनगर. विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और कई हिंदुत्व संगठन मंगलवार से उल्हासनगर मनपा के सामने अनिश्चितकालीन धरना देंगे। इसका मकसद अंबरनाथ के ऐतिहासिक और प्राचीन शिव मंदिर इलाके में प्रस्तावित रिजर्वेशन को रद्द करना है। आयोजकों ने दावा किया है कि इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक शामिल होंगे।

इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए, पिछले कुछ दिनों से पूरे जिले में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन की योजना बनाने के लिए अलग-अलग ब्लॉक में मीटिंग की गई हैं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई हैं। मंदिर इलाके में प्रस्तावित रिजर्वेशन को लेकर हिंदू समुदाय में बेचैनी होने की बात कहते हुए, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में नागरिकों से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

संगठनों के अनुसार, अंबरनाथ का प्राचीन शिव मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का एक अहम हिस्सा है। डर है कि मंदिर परिसर से जुड़े प्रस्तावित रिज़र्वेशन से भविष्य में मंदिर के विकास और परिसर के बचाव पर असर पड़ेगा। इस बारे में कई बार प्रशासन को ज्ञापन दिया गया है और संबंधित अधिकारियों से बातचीत भी हुई है। लेकिन, अभी तक कोई ठोस फ़ैसला नहीं होने की वजह से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है, ऐसा बजरंग दल के ज़िला को-कन्वीनर अमित भोईर ने कहा।

आंदोलन करने वालों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत दखल देकर मंदिर परिसर में प्रस्तावित रिज़र्वेशन को रद्द करे और इस धरोहर के बचाव के लिए अलग से कदम उठाए। संगठनों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर मांगों को नज़रअंदाज़ किया गया तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

घाटकोपर में 'झूलेलाल चौक' नाम पट्टिका पर नया विवाद

■ महापौर के नाम के बिना उद्घाटन पट्टिका; विपक्ष के सवाल

मुंबई. घाटकोपर ईस्ट के विक्रांत जंक्शन पर बनी 'झूलेलाल चौक' मूर्ति के उद्घाटन के बाद, शिवसेना (ठाकरे) और MNS ने उद्घाटन पट्टिका पर महापौर रितु तावड़े का नाम न होने पर कड़ी नाराज़गी जताई है। दोनों पार्टियों ने आरोप लगाया है कि मराठी महापौर की मौजूदगी में उद्घाटन पट्टिका पर उनका नाम न होना मराठी लोगों का अपमान है।

घाटकोपर ईस्ट में विक्रांत सर्कल इलाके को स्थानीय लोगों की भागीदारी और कॉर्पोरेट कंपनियों के CSR फंड से सुंदर बनाया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत, दुनिया की एकता का प्रतीक मानी जाने वाली एक आकर्षक मूर्ति बनाई गई है और MLA पराग शाह और मेयर रितु तावड़े की मौजूदगी में इसका उद्घाटन किया गया।

हालांकि, उद्घाटन पट्टिका अंग्रेजी में है और उस पर महापौर का नाम नहीं है, जिससे एक नया विवाद खड़ा हो गया है। ठाकरे ग्रुप

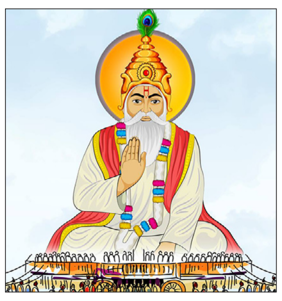

के विभाग प्रमुख सुरेश पाटिल ने कहा, इस काम के लिए किसके फंड का इस्तेमाल हुआ, यह मुद्दा सेकेंडरी है। हालांकि, जब महापौर के चुनाव क्षेत्र में उनकी मौजूदगी में उद्घाटन हो रहा है, तो पट्टिका पर उनका नाम होना चाहिए था। खुद मराठी होने के बावजूद उनका नाम न होना मराठी लोगों का अपमान है। हम इसकी निंदा करते हैं।

MNS विभाग अध्यक्ष संदीप कुलथे ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत अफसोस की बात है कि एक मराठी महापौर के चुनाव क्षेत्र में एक चौक का उद्घाटन हो रहा है और उनका नाम पट्टिका पर नहीं है। इससे पता चलता है कि महापौर की महानगर पालिका में कुछ नहीं हो रहा है। MNS इसका जवाब जरूर मांगेगी।'

रिक्शा चालकों के लिए मराठी की क्लास

■ बातचीत को आसान बनाने के लिए उल्हासनगर में खास कैंपेन

■ 'चलो मराठी बोलें' कैंपेन शुरू किया गया

उल्हासनगर. महाराष्ट्र की ऑफिशियल भाषा मराठी का सम्मान करते हुए रिक्शा चालकों और यात्रियों के बीच बातचीत को आसान और दोस्ताना बनाने के लिए, उल्हासनगर में 'चलो मराठी बोलें' कैंपेन शुरू किया गया। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाईक के आदेश पर और कल्याण RTO के निर्देशों के बैकग्राउंड में,

उल्हासनगर रिक्शा यूनियन की एक ज़रूरी मीटिंग हुई। यह फैसला इसलिए खास है क्योंकि रिक्शा चालकों से 1 अगस्त, 2026 से यात्रियों से बेसिक मराठी में बात करने की उम्मीद है।

शिवसेना ग्रुप लीडर और हाउस लीडर अरुण आशान के ऑफिस में हुई मीटिंग में मराठी भाषा की ट्रेनिंग, कम्युनिकेशन स्किल डेवलपमेंट और पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन पर डिटेल में चर्चा हुई। इस पहल का मुख्य मकसद कोंकण मराठी साहित्य परिषद के साथ मिलकर रिक्शा चालकों और यात्रियों के बीच मराठी में बातचीत को ज़्यादा अच्छा और असरदार बनाना है। मराठी महाराष्ट्र की पहचान है।

इस मौके पर प्रो. डॉ. प्रदीप धवल और नमिता कीर ने मराठी भाषा की अहमियत और असरदार कम्युनिकेशन के लिए ज़रूरी बातों पर गाइड किया। उल्हासनगर रिक्शा यूनियन के प्रेसिडेंट हरजिंदर सिंह भुल्लर ने रिक्शा चलाने वालों से सरकार के निर्देशों का पालन करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि यूनियन हर मुमकिन मदद करेगी। मीटिंग में एक पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाने का भी फैसला किया गया। 'चलो मराठी बोलें... चलो मराठी बोलें' मैसेज के ज़रिए मराठी की इज्ज़त और महाराष्ट्र की शान बनाए रखने का पक्का इरादा दिखाया गया।

पत्नी और साथी ने पति को मारकर किया घायल

अंबरनाथ. अपनी लड़की से भेंट करने पत्नी के घर गए पति ने रात में एक अन्य व्यक्ति को पत्नी के साथ देखकर इसका विरोध करने पर पत्नी एवं उस व्यक्ति ने पति की जमकर पिटाई करके उसे घायल कर दिया. शिवाजी नगर पुलिस में इस घटना की शिकायत दर्ज की गई है.

उल्हासनगर-4 निवासी हितेश

भिष्मलाल सावलानी (34) ने पुलिस का बताया कि उसकी पत्नी परी सावलानी के साथ उसका पारिवारिक विवाद होने से परी विश्वजीत ग्रीन शहर पूर्व में रहती है. 5 जून को रात 12.30 बजे हितेश अपनी लड़की से भेंट करने गए, उन्होंने देखा कि पत्नी परी एक व्यक्ति पन्नालाल पीव्हल के साथ है. हितेश ने पन्नालाल से ये पूछा कि इतनी रात गए उसकी पत्नी के घर आने का कारण क्या है? ये पूछने पर परी और पन्नालाल ने उसे हाथ से एवं लात-घूसों से मारने शुरू कर दिया. पन्नालाल ने घर के किसी वस्तु से हितेश के सर पर मारकर घायल किया. पन्नालाल शहर पूर्व में नवरे नगर का निवासी है. पुलिस ने दोनों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है.

मामले की अधिक जांच पुलिस उप निरीक्षक स्वप्निल चौरे कर रहे हैं.

अंबरनाथ में कॉकरोच जनता पार्टी का आगमन

■ मुख्याधिकारी को दिया निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आगमन हो गया है. अंबरनाथ के एक युवक केशवन ए.वी. ने सीजेपी के लेटरहेड पर शहर के स्वामी नगर में स्ट्रीट लाइन की समस्या को उजागर करते हुए मुख्याधिकारी को इस संबंध में सोमवार को एक निवेदन देकर कहा है कि यहां पर जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट चालू की जाए. केशवन लॉ के विद्यार्थी हैं और वह वकील बनना चाहते हैं. उन्होंने बताया कि वह कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा पुणे में किए गए आंदोलन में शामिल हुए थे, जो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बारे में था. केशवन ने बताया कि वह अंबरनाथ की समस्या जैसे स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, नाला सफाई के बारे में आवाज उठाते रहेंगे. उन्होंने दावा किया कि उन्होंने शहर की जितनी भी समस्या पर आवाज उठाया है, सफलता मिली है. वह अब इस पक्ष को और बढ़ाने के लिए पार्टी की सदस्या मुहिम को और भी तेज करने वाले हैं. केशवन जो कि वार्ड क्र. 12 स्वामी नगर के निवासी हैं, ने बताया कि उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी को शहर में शुरू किया है. उनके साथ लोग जुड़ते जाएंगे. ऐसा उनका ख्याल है. केशवन ने अंग्रेजी में मुख्याधिकारी को लिखे निवेदन में कहा है कि सूरज डूबने के बाद स्वामी नगर में स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण अंधेरा हो जाता है, जिसके कारण वृद्ध, महिलाएं, बच्चे डरे रहते हैं.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

तापमान बढ़ने की रफ्तार ने बढ़ाई चिंता

जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान को लेकर दुनिया भर में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में दी गई चेतावनियों को शायद कभी गंभीरता से नहीं लिया गया है। कागजों में भले ही कई तरह के कार्यक्रमों और योजनाओं का खाका तैयार किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन्हें प्रभावी तरीके से लागू करने की तत्परता नजर नहीं आती। यही वजह है कि वैश्विक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया क्षेत्र में वर्ष 1991 से 2025 के दौरान तापमान वृद्धि दर 1961 से 1990 की तुलना में लगभग दोगुनी रही। इसमें वर्ष 2025 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक के रूप में उभरा है। इसके नतीजतन प्राकृतिक आपदाओं में तेजी आई है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि मानवीय क्षति में भी बढ़ोतरी हुई है। सवाल है कि आखिर पर्यावरण संरक्षण के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के उपायों को लेकर हर स्तर पर लापरवाही क्यों बरती जा रही है?

गौरतलब है कि जलवायु विशेषज्ञ पहले भी एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते तापमान को लेकर सचेत करते रहे हैं। अगर तापमान को स्थिर नहीं रखा गया तो इसके नतीजे दूरगामी और भयावह हो सकते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट से पता चलता है कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान बढ़ रहा है। ऐसे में भारत समेत क्षेत्र के अन्य देशों को सजग होने की जरूरत है।

इस रिपोर्ट को इसलिए भी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें बताया गया है कि वर्ष 2025 के दौरान एशिया के लगभग सभी समुद्री क्षेत्रों में भीषण लू चली। स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव कई देशों पर पड़ा है। पूर्वी और पश्चिमी एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए न केवल सरकारी बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। अगर समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए गए तो निकट भविष्य में जलवायु संकट एक ऐसी चुनौती बनकर सामने खड़ा होगा, जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

विमर्श

पहले इंसान, फिर वाहन

देश की सर्वोच्च अदालत ने हाल में एक ऐसा फैसला सुनाया है, जो केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि विकास को लेकर हमारे सोच पर भी गहरा सवाल खड़ा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और सड़कों पर पैदल चलने वालों का अधिकार मोटर वाहनों से अधिक महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह कहा है कि इंसान ने पहिए आने से बहुत पहले चलना सीख लिया था। यह केवल एक ऐतिहासिक तथ्य ही नहीं, बल्कि हमारी शहरी और ग्रामीण विकास नीतियों पर एक गहरी टिप्पणी भी है। यह फैसला एक दर्दनाक हादसे की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को सड़क दुर्घटना में खो दिया था। अदालत ने इस मामले को केवल मुआवजे तक सीमित नहीं रखा, कोर्ट ने पैदल चलने वालों के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 से जोड़कर उसे मौलिक अधिकार का दर्जा भी दे दिया। कोर्ट ने मोटर वाहन अधिनियम की कमियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्यों महत्वपूर्ण और दूरगामी है, इसके लिए कुछ बातों पर विचार करने की जरूरत है। दरअसल, पिछले कुछ दशकों में देश का विकास लगभग पूरी तरह वाहनों के इर्दगिर्द केंद्रित रहा है। शहरों में फ्लाईओवर बने, चौड़ी सड़कें बनीं, एक्सप्रेसवे बने, लेकिन पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथों की जरूरत को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया। विडंबना यह है कि देश की एक बड़ी आबादी आज भी पैदल

चलकर ही अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करती है। गरीब, मजदूर, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग और छोटे कस्बों के लोग सबसे ज्यादा पैदल यात्रा करते हैं, लेकिन सड़कें मानो केवल वाहनों के लिए आरक्षित कर दी गई हैं। अदालत का यह कहना पूरी तरह सही है कि शुरुआत में यह एक तरह का 'आभिजात्य प्रभाव' था। जब वाहन केवल अमीरों के पास थे, तब भी पैदल चलने वालों को महत्व नहीं मिला और जैसे-जैसे वाहन सस्ते हुए, पूरी सड़क पर वाहनों का कब्जा हो गया। आज स्थिति यह है कि कई शहरों में फुटपाथ हैं ही नहीं और जहां हैं, वहां दुकानों, ठेलों, पार्किंग और अतिक्रमणों ने उन्हें निगल लिया है।

इस निर्णय में कई महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश है। यह निर्णय नागरिकों के लिए पैदल चलने के अधिकार को स्थापित करता है। अब फुटपाथ कोई सरकारी दया का विषय नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार का प्रश्न है। इसके साथ-साथ अदालत ने नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों, नगरपालिकाओं और ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी तय की है। अब वे यह कहकर नहीं बच सकते कि संसाधन नहीं हैं या यह उनकी प्राथमिकता नहीं है। अगर सड़क है तो फुटपाथ भी होना चाहिए। इस फैसले से नागरिकों को कानूनी अधिकार मिला है कि यदि फुटपाथ नहीं हैं, टूटे हुए हैं या उन पर कब्जा है तो वे अदालती दरवाजा खटखटा सकते हैं और हर्जाने की मांग भी कर सकते हैं। अगर इस फैसले को धरातल पर लागू किया जाता है तो इसके दूरगामी लाभ होंगे। सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी कमी आएगी। आवाजाही सुगम होगी। प्रदूषण कम करने और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि कुछ सवाल भी हैं, जैसे कि सरकारें इस फैसले को कितनी गंभीरता से लेंगी? आज देश के अधिकांश छोटे शहरों और कस्बों में फुटपाथ नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। जहां फुटपाथ बने भी हैं, वे दुकानों के आगे बढ़े चबूतरों, पार्किंग, सामान रखने के स्थानों और अस्थायी कब्जों में बदल चुके हैं। सवाल यह भी है कि क्या अब नगर निकाय फुटपाथों से अतिक्रमण हटाएंगे? क्या नई सड़क परियोजनाओं में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिलेगी? क्या सड़क सुरक्षा के बजट में फुटपाथों को भी शामिल किया जाएगा? ये ऐसे प्रश्न हैं जो सुप्रीम फैसले के बाद भी कायम हैं और आम जन चाहेगा कि इनके सकारात्मक उत्तर मिलें। सचमुच, हमारा पूरा यातायात कानून वाहनों को केंद्र में रखकर बनाया गया है, जिसमें इंसान गौण हैं। अब यह सोच बदलने का समय आ गया है।

विभिन्न अदालतों ने समय-समय पर जनहित में फैसले किए हैं, पर उनका क्रियान्वयन कितना हुआ है, इसे देखे जाने की जरूरत है। फुटपाथों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब प्रत्येक शहर और कस्बे में फुटपाथों का सर्वे कराया जाए। अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। नई सड़क परियोजनाओं में फुटपाथ अनिवार्य किए जाने चाहिए। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिले।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हम सारे संसार को तो नहीं बदल सकते, लेकिन हम अपने व्यक्तिगत संसार को अवश्य बदल सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

एआई और फिंगरप्रिंट सिस्टम होने के बाद भी जांच कमजोर

किसी भी आपराधिक मामले में समय पर न्याय तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और उसमें गंभीरता एवं निष्पक्षता हो। आज के दौर में जांच-पड़ताल में तकनीक की भी अहम भूमिका है। खासकर कृत्रिम मेधा यानी एआई के तहत ऐसे उपकरण विकसित किए जा चुके हैं, जिनकी मदद से अपराधियों की धर-पकड़ और साक्ष्य जुटाना काफी आसान हो गया है।

मगर सवाल है कि देश में जांच एजेंसियां क्या इस तरह की तकनीक का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल कर रही हैं या नहीं? केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हाल में दी गई जानकारी से यही लगता है कि जांच प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग अभी प्रारंभिक स्तर पर है। गृह मंत्री ने कहा कि आपराधिक मामलों में राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली का अभी केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उपयोग अपराधियों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इसके जरिए अपराध स्थलों से एकत्र किए गए नमूनों और साक्ष्यों का डेटाबेस तैयार किया जा सकता है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आखिर जांच एजेंसियां इस पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दे रही हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि संज्ञेय

अपराधों से जुड़े मामलों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दोषसिद्धि दर वर्ष 2018 और 2019 में करीब 66 प्रतिशत थी। हालांकि उसके बाद से जांच एजेंसियों को कई तरह की तकनीकों से लैस किया गया है, लेकिन दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक दोषसिद्धि दर कम होने के प्रमुख कारणों में जांच प्रक्रिया का धीमा होना, मामलों की गंभीरता को नजरअंदाज करना और साक्ष्यों की कमी शामिल है। कई बार अपराधी इसलिए बरी हो जाते हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष आरोपों को सबूतों के आधार पर साबित करने में नाकाम रहता है। यह अफसोसनाक है कि तकनीकी सुविधाओं के बावजूद जांच एजेंसियां वैज्ञानिक पहलुओं का ध्यान रखकर जांच नहीं करतीं, जिससे न्याय की उम्मीद भी धुंधली पड़ जाती है।

ऐसे में जरूरी है कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर अलग से एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए, जो इस बात पर नजर रखे कि जांच में तकनीक का कितना इस्तेमाल किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली की बात की जाए तो इसका इस्तेमाल केवल अपराधियों को खोजने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब अपराध स्थल से एकत्र फिंगरप्रिंट के माध्यम से व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। यह दो-तरफा प्रणाली है, जो अपराधी की पहचान करने में बेहद उपयोगी है, लेकिन अपराध तभी साबित हो सकता है, जब पर्याप्त डेटा उपलब्ध हो। इसका एक पहलू यह भी है कि जांच एजेंसियों को नई तकनीकों से लैस तो कर दिया गया है, लेकिन उनके इस्तेमाल की जानकारी बहुत कम कर्मियों को होती है। ऐसे में उपलब्ध उपकरणों के उपयोग के लिए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

जब वैज्ञानिक आधार पर आरोप-पत्र तैयार होंगे और आधुनिक तकनीक की मदद से पुख्ता साक्ष्य जुटाए जाएंगे, तो समय पर न्याय मिलने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाएगी। इसके अलावा जांच एजेंसियों में हर स्तर पर जवाबदेही तय करना भी बेहद जरूरी है। अगर किसी मामले में जांच के स्तर पर लापरवाही या चूक होती है, तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

यहां घोड़े से आते हैं डिलीवरी ब्वॉय

जरा हट के

आज के डिजिटल युग में अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियां सेकंडों में ऑर्डर प्लेस करवा लेती हैं और कुछ ही घंटों में बाइक या वैन से डिलीवरी हो जाती है. लेकिन अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक ऐसा आइलैंड है जहां 21वीं सदी में भी डिलीवरी का सबसे पुराना और रोमांचक तरीका इस्तेमाल होता है. ये है घोड़े और बग्घी.

मकिनैक आइलैंड उत्तरी मिशिगन में स्थित है. यहां मोटर वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध है. पूरे आइलैंड पर सिर्फ घोड़े, बग्घी, साइकिल और पैदल चलने की इजाजत है. नतीजतन, यहां अमेजन के पार्सल, किराने का सामान, रेस्टोरेंट का खाना और हर तरह का ऑर्डर घोड़े खींची बग्घी पर आता है.

19वीं सदी का जीवंत संग्रहालय

मकिनैक आइलैंड को अक्सर "समय में यात्रा" कहा जाता है. यहां 19वीं सदी की

वास्तुकला, घोड़ों की आवाज, बग्घी की घंटियों की आवाज और फ्यूज (Fudge) की मीठी खुशबू हर तरफ फैली रहती है. आइलैंड पर लगभग 500 घोड़े रहते हैं जो पूरे साल पर्यटकों और सामान की ढुलाई का काम करते हैं. गर्मियों में संख्या और बढ़ जाती है. आइलैंड तक पहुंचने के लिए आपको फेरी (नाव) से आना पड़ता है. मकिनॉ शहर या सेंट इग्नेस से 30 मिनट की यात्रा के बाद जब आप आइलैंड पर उतरते हैं तो लगता है जैसे आप किसी पुरानी फिल्म में पहुंच गए हों.

यहां स्थानीय दुकानें, होटल और रेस्टोरेंट घोड़ों द्वारा माल मंगवाते हैं. अमेजन और अन्य ऑनलाइन शॉपिंग के पार्सल फेरी से आइलैंड तक पहुंचते हैं. फिर विशेष डिलीवरी बग्घी या घोड़ों द्वारा पूरे आइलैंड पर घर-घर पहुंचाए जाते हैं.फूड डिलीवरी भी बग्घी पर होती है. कूड़ा-करकट भी घोड़े द्वारा खींची गाड़ी में इकट्ठा करके ले जाया जाता है. आइलैंड पर सिर्फ इमरजेंसी सेवाओं (फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस) के लिए कुछ सीमित इलेक्ट्रिक वाहनों को छूट है, लेकिन आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए बिल्कुल नहीं.

पंजीरी के लड्डू

खाना-खजाना

पंजीरी लड्डू एक पारंपरिक और अत्यंत पौष्टिक भारतीय मिठाई है, जो मुख्य रूप से सर्दियों और प्रसव के बाद महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए बनाई जाती है। यह गेहूं के आटे, देसी घी, और विभिन्न सूखे मेवों को भूनकर और चीनी या बूरा मिलाकर बनाई जाती है।

रेसिपी

- 1 कप गेहूं का आटा
- 1/2 कप कद्दूकस सूखा नारियल
- 1/2 देसी घी
- 1/3 कप ड्राई फ्रूट्स
- 2 बड़े चम्मच गोंद
- 1/2 चम्मच पिसी हुई सोंठ
- 1/2 इलायची पाउडर
- स्वादानुसार बुरा या गुड़

बनाने की विधि

पंजीरी के लड्डू बनाने के लिए यहां बताए गए स्टेप फॉलो करें:

1. सबसे पहले बड़ी थाली में आटे को छान लें।

2. दूसरी तरफ, गैस पर पैन में घी डालकर उसे गर्म कर लें।
3. इसके बाद गर्म घी में पहले ड्राई फ्रूट्स भून लेने हैं।
4. फिर आटे को मध्यम आंच पर सुनहरा हो जाने तक भूनना है। अब आटे को ठंडा होने के लिए अलग निकाल लें।
5. इस स्टेप में आटे को दरदरा पीसकर उसमें बुरा या गुड़ मिलाएं।
6. ड्राई फ्रूट्स वाले मिश्रण में भुना हुआ आटा भी अच्छे से मिक्स करें।
7. मिश्रण में घी डालें और सबसे आखिर में सोंठ और इलायची डालकर मिक्स कर लें।
8. जब पंजीरी हल्की ठंडी हो जाए तो हाथ हल्के चिकने करके इनके छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए

लाभकारी है रक्तदान

क्या आपने किया?

रक्तदान को महादान कहा जाता है। नियमित रक्तदान से न सिर्फ आप खून की जरूरत वाले लोगों की जान बचा सकते हैं, साथ ही इस एक आदत से आपकी सेहत को भी कई प्रकार से लाभ होता है। बावजूद इसके दुनियाभर में रक्तदान की दर काफी कम है। न्यूयॉर्क ब्लड सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, हर दो सेकंड में यू.एस. में किसी को रक्त चढ़ाने की जरूरत होती है। दुर्घटना, सर्जरी और रक्त संबंधी कुछ प्रकार की बीमारियों के शिकार लोगों को समय पर रक्त देकर उनकी जान बचाई जा सकती है। हालांकि रक्तदान के आंकड़े इसकी अलग ही कहानी बयां करते हैं।

जनवरी 2024 में अमेरिकन रेड क्रॉस ने चिंता जताई कि उसे आपातकालीन रक्त की कमी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि

पिछले 20 वर्षों में रक्त देने वाले लोगों की संख्या सबसे कम है। इसी तरह से भारत में हर दिन लगभग 12,000 मरीज समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मर जाते हैं। देश में सालाना 15 मिलियन (1.5 करोड़) यूनिट रक्त की आवश्यकता है हालांकि ब्लड डोनेशन कैंप और अन्य माध्यमों से केवल 10 मिलियन (एक करोड़) यूनिट ही प्राप्त हो पाती है।

आइए जानते हैं कि रक्तदान क्यों जरूरी है और इससे किस प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं?

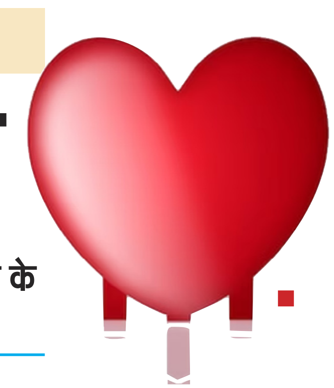

नियमित रक्तदान के कई फायदे

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप रक्तदान करके न सिर्फ किसी की जान बचाने में मदद कर सकते हैं साथ ही ये आदत रक्तदाता के लिए भी कई प्रकार से लाभकारी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रक्तदान में कमी का प्रमुख कारण लोगों के मन में डोनेशन को लेकर कई प्रकार का डर और मिथक भी है। आइए जानते हैं कि अगर आप नियमित रूप से रक्तदान करते हैं तो इससे सेहत को किस प्रकार के लाभ हो सकते हैं?

मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

रक्तदान करने से आपके भावनात्मक और शारीरिक दोनों स्वास्थ्य को लाभ होता है। मेंटल हेल्थ फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार इस एक आदत से तनाव कम हो सकता है। रक्तदान, दूसरों की मदद करने का तरीका है, जो आपकी भावनात्मक सेहत में सुधार करता है। नियमित रक्तदान से नकारात्मक भावनाओं से भी छुटकारा मिलती है।

मेंटल हेल्थ को ठीक रखने और कई प्रकार के शारीरिक स्वास्थ्य लाभ के लिए रक्तदान किया जाना चाहिए।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

न्यूयॉर्क स्थित वेल कॉर्नेल मेडिकल सेंटर में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के निदेशक डॉ. रॉबर्ट डेसिमोन बताते हैं, रक्तदान करने से पहले आपकी शारीरिक जांच की जाती है, जिससे पता चल जाता है कि आप पहले से किसी समस्या के शिकार हैं या नहीं? इसके अलावा यह निश्चित रूप से हृदय संबंधी जोखिम कारकों को कम करने में मदद करता है। नियमित रक्तदान से रक्तचाप कम होता है। रक्त की चिपचिपाहट को कम करने में भी इससे लाभ मिलता है। ये हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

कैलोरी बर्न करने का तरीका

डॉ. रॉबर्ट बताते हैं, हर बार जब आप रक्तदान करते हैं, तो यह बिना कुछ किए कैलोरी बर्न कराने जैसा होता है।आपका शरीर निकाले गए रक्त की भरपाई के लिए 500 तक कैलोरी बर्न करता है। रक्तदान करने से नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से होता है।

आज का राशिफल

मेष : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ : अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी।

मिथुन : रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा.

कर्क : वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह : तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी।

कन्या : चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

तुला : आज घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ होगा। नौकरीपेशा का जीवन अच्छा चलेगा, पदोन्नति होगी। बाहरी कार्यों में विलंब से चिंता होगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा।

वृश्चिक : पत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

मकर : धन को लेकर व्यावसायिक चिंता बनी रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे।

कुंभ : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कहीं आपका दूध मिलावटी तो नहीं?

दूध में पानी की मिलावट सबसे आम है। इसे चेक करने के लिए किसी चिकनी या ढलान वाली सतह (जैसे कोई साफ प्लेट या मार्बल का टुकड़ा) पर दूध की एक से दो बूंदें डालें। अगर दूध की बूंद तुरंत नीचे की तरफ बह जाए और पीछे कोई निशान न छोड़े, तो समझ जाइए कि दूध में पानी मिला हुआ है। वहीं, शुद्ध दूध धीरे-धीरे बहेगा और पीछे एक हल्की सफेद लकीर छोड़ता हुआ जाएगा।

डिटर्जेंट की पहचान करें

कई बार दूध को गाढ़ा और झागदार दिखाने के लिए उसमें कपड़े धोने वाला डिटर्जेंट या शैम्पू मिला दिया जाता है, जो सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। इसे चेक करने के लिए थोड़े से दूध को एक कांच की पारदर्शी शीशी में डालें और उसे 5 से 10 सेकंड तक जोर से हिलाएं। अगर दूध में बहुत ज्यादा और गाढ़ा झाग बन जाए जो जल्दी खत्म न हो, तो यह डिटर्जेंट की मिलावट का पक्का संकेत है। असली दूध में झाग बहुत कम बनता है और तुरंत बैठ जाता है।

सिंथेटिक दूध का ऐसे चलेगा पता

सिंथेटिक दूध यानी रसायनों से तैयार किया गया नकली दूध। इसे पहचानने का सबसे अच्छा तरीका आपके हाथ और नाक हैं। असली दूध में एक प्राकृतिक, हल्की और मीठी महक होती है। जबकि सिंथेटिक दूध को सूंघने पर उसमें से साबुन या केमिकल जैसी गंध आती है।इसके अलावा, दूध की कुछ बूंदों को अपनी दोनों उंगलियों के बीच रगड़ कर देखें। अगर यह साबुन की तरह बहुत ज्यादा चिकना लगे, तो यह नकली है। नकली दूध गर्म करने पर अक्सर पीला पड़ जाता है।

स्टार्च या मैदे की मिलावट का टेस्ट

दूध को गाढ़ा करने के लिए कुछ मिलावटखोर उसमें स्टार्च (जैसे मैदा या आलू का पाउडर) मिला देते हैं। इसकी जांच के लिए आपको मेडिकल स्टोर से 'आयोडीन सॉल्यूशन' लाना होगा। एक चम्मच दूध में आयोडीन की 2-3 बूंदें डालें। अगर दूध का रंग

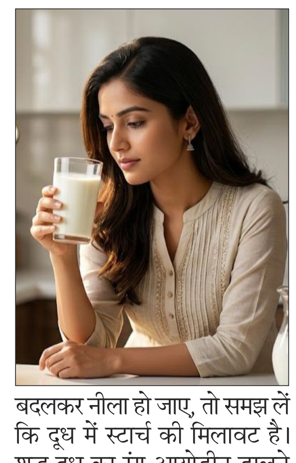

बदलकर नीला हो जाए, तो समझ लें कि दूध में स्टार्च की मिलावट है। शुद्ध दूध का रंग आयोडीन डालने पर नहीं बदलता।

स्वाद और रंग पर दें ध्यान

कभी-कभी हमारी जीभ ही सबसे अच्छी मशीन होती है। शुद्ध दूध पीने में हल्का मीठा और स्वादिष्ट लगता है। अगर दूध का स्वाद आपको कड़वा, कसैला या अजीब सा लग रहा है, तो उसे पीने से बचें।इसके अलावा, असली दूध को आप चाहे उबालें या फ्रिज में स्टोर करें, वह अपना असली सफेद रंग कभी नहीं बदलता।

मनी प्लांट की देखभाल

मनी प्लांट भले ही कम देखभाल वाला पौधा माना जाता हो, लेकिन इसकी भी कुछ बुनियादी जरूरतें होती हैं. जरूरत से ज्यादा पानी, सीधी धूप, पोषण की कमी या बहुत छोटे गमले में लंबे समय तक रखना इसकी ग्रोथ को प्रभावित कर सकता है. गर्मियों और मानसून के मौसम में पौधे की बढ़वार तेज होती है, जबकि सर्दियों में इसकी ग्रोथ थोड़ी धीमी पड़ सकती है. ऐसे में मौसम के हिसाब से देखभाल करना जरूरी है.

1. सही जगह पर रखें पौधा

तेज धूप नहीं, हल्की रोशनी है जरूरी मनी प्लांट को सीधी धूप बिल्कुल पसंद नहीं होती. तेज धूप में इसकी पत्तियां जल सकती हैं और उनका रंग फीका पड़ सकता है. वहीं, बहुत अंधेरी जगह पर रखने से बेल की बढ़वार धीमी हो जाती है. इसे ऐसी जगह रखें जहां दिनभर हल्की और अप्रत्यक्ष धूप मिलती रहे. खिड़की के पास, बालकनी के छायादार हिस्से या रोशनी वाले कमरे का कोना इसके लिए सबसे अच्छा माना जाता है.

2. मॉस स्टिक का इस्तेमाल करें

बेल को सहारा मिलेगा तो बढ़ेगी तेजी से मनी प्लांट एक बेल वाला पौधा है और इसे ऊपर चढ़ने के लिए सहारे की जरूरत होती है. अगर बेल जमीन पर फैली रहती है, तो इसकी ग्रोथ सीमित हो सकती है. गमले में मॉस स्टिक लगाकर बेल को धीरे-धीरे उसके चारों ओर लपेटें. इससे पौधे की हवाई जड़ों को नमी मिलती है और पत्तियां बड़ी, चमकदार और स्वस्थ बनती हैं.

3. पानी देने में न करें जल्दबाजी

कई लोग पौधे को हरा-भरा रखने के लिए रोजाना पानी दे देते हैं, लेकिन यही सबसे बड़ी गलती साबित होती है. पानी देने से पहले मिट्टी की ऊपरी परत को छूकर देखें, अगर मिट्टी सूखी लगे, तभी पानी डालें. ज्यादा पानी से जड़ों में सड़न हो सकती है और पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं, अगर आपका मनी प्लांट पानी की बोतल या ग्लास में लगा है, तो हर 7 से 10 दिन में पानी बदलना न भूलें. साफ पानी जड़ों को पर्याप्त ऑक्सीजन देता है और पौधे की ग्रोथ बेहतर होती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पैरेंट्स की डांट से घर छोड़कर भागीं 4 बच्चियां वृंदावन में मिलीं

अलीगढ़. अलीगढ़ के अतरौली थाना क्षेत्र से लापता हुई चार नाबालिग बालिकाओं को पुलिस ने 15 घंटे के अंदर मथुरा जिले के वृंदावन से सकुशल बरामद कर लिया। परिजनों की डांट-फटकार से क्षुब्ध होकर चारों घर छोड़कर गई थीं। घूमने के इरादे से साथ में रुपये व जेवर भी ले गईं। पहले दिल्ली, फिर मथुरा पहुंचीं। एसपी देहात के नेतृत्व में लगीं 10 टीमों ने सीसीटीवी व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से उन्हें तलाश लिया। एसएसपी नीरज जादौन ने रविवार को प्रेसवार्ता करके बरामदगी का खुलासा किया। साथ ही पुलिस टीम की पीठ थपथपाते हुए 25 हजार रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की। एसएसपी नीरज जादौन ने पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि चारों बालिकाएं अतरौली थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली हैं। सभी की उम्र 12 से 14 वर्ष है, जो कक्षा सात, आठ, नौ व 10वीं में पढ़ती हैं।

अनुकंपा पर सरकारी नौकरी के लिए पोती और उसके पति ने दादी को जहर दिया

वाराणसी. उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सरकारी नौकरी पाने के लिए एक पोती और उसके पति ने दादी की हत्या की साजिश रच डाली। दोनों ने 19 जून को खाने की चीजों में जहर मिलाकर दादी को दे भी दिया। दादी की हालत बिगड़ी तो दोनों वहां से भाग निकले। परिवारीजनों ने दादी को अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों के इलाज से उनकी जान बच गई। अस्पताल से ठीक होकर दादी घर वापस लौटीं तो थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पोती और उसके पति को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। घटना, वाराणसी के लोहता इलाके की है। गोपालपुर (लोहता) की रहने वाली 56 वर्षीय पान पत्ती देवी चांदपुर में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में चपरासी हैं।

16 साल के लड़के ने घर में खेली खून की होली, भाई-भाभी-भतीजे को काट डाला

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 16 साल के एक लड़के ने अपने ही घर में खून की होली खेल डाली। एक नाबालिग ने अपने बड़े भाई अमित के कमरे में घुसकर सोते समय उसकी पत्नी रंजना और तीन साल के बेटे रेयांश की बेरहमी से हत्या कर डाली. बताया जा रहा है कि मारा गया बड़ा भाई पहले बाहर रखकर मजदूरी करता था। वह कुछ महीने पहले ही गांव वापस आया था। गांव आने के बाद छोटे भाई से उसके संबंध ठीक नहीं थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पकड़े जाने के बाद उसने अपनी सफाई में बहुत सी बातें कही हैं और घर में अपनी उपेक्षा के भी आरोप लगाए हैं। हालांकि पुलिस अभी इस बारे में कुछ भी नहीं बता रही है। उधर, कुछ लोगों का यह भी कहना है कि गुप्ता परिवार की एक की दुकान है। दुकान पर छोटा बेटा बैठता था। बड़े भाई के आने के बाद विवाद शुरू हो गया था। हो सकता है छोटे को लगता हो कि बड़ा भाई कहीं दुकान पर कब्जा न कर ले।

मुंबई में 20 रुपए सस्ता मिलेगा E85 पेट्रोल

■ कितनी है कीमत और गाड़ी पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली. E85 फ्यूल आधिकारिक तौर पर मुंबई में आ गया है और इसकी कीमत 91.18 रुपए प्रति लीटर है। शहर में सामान्य पेट्रोल की कीमत अभी 111.21 रुपए प्रति लीटर है। लेकिन, इससे पहले की आप E85 पेट्रोल के पंप खोजना शुर करें उससे पहले यह समझना जरूरू है कि आपकी कार इस फ्यूल पर चलने के लिए बनी है या नहीं।

E85 फ्यूल में 85% तक इथेनॉल और 15% पेट्रोल ब्लेंड होता है। इसका इस्तेमाल केवल उन्हीं Flex Fuel गाड़ियों में किया जा सकता है जिसे ज्यादा इथेनॉल मिश्रण के लिए खास तौर पर बनाया गया है। उइसके साथ ही, सड़क परिवहन और राजमार्ज मंत्रालय ने E85, E100, बायोडीजल और हाइड्रोजन-CNG मिश्रण जैसे फ्यूल्स के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के लिए नियममों में बदलाव के प्रस्ताव पहले ही दे दिए हैं।

कंपनियों ने शुरू की तैयारी

सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब वाहन निर्माता कंपनियों में E85 के अनुकूल गाड़ियां बाजार में उतारना शुरू कर दिया है। हाल ही में Hero Motocorp ने अपनी Splendor+ और HF Deluxe मोटरसाइकिलों के Flex Fuel को पेश किया है जो भारत की पहली फ्लेक्स-फ्यूल बाइक है।

समय से पूरा किया लक्ष्य

भारत ने पेट्रोल में 20% Ethanol मिलाने का अपना लक्ष्य तय समय से पहले ही हासिल कर लिया है। अब सरकार ऐसे वाहनों के जरिए बायोफ्यूल की मांग को और बढ़ाना चाहती है जो अलग-अलग मात्रा वाले Ethanol मिक्सर पर आसानी से चल सकें। इसमें इस्तेमाल होने वाला Ethanol मुख्य रूप से गन्ने और अनाज पर आधारित कच्चे माल से तैयार किया जाता है।

मुंबई में E20 और E85 पेट्रोल की कीमत में 20.03 रुपए प्रति लीटर का अंतर है। यहां वर्तमान समय में E20 पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपए प्रति लीटर है। इसे सबसे पहले जून 2026 की शुरुआत में दिल्ली में लॉन्च किया गया था।

क्या यह E85 है?

भारत पारंपरिक ईंधन या फ्यूल को छोड़कर अब तेजी से Flex-Fuel की तरफ बढ़ रहा है और देश में हाल ही में E85 फ्यूल को लॉन्च किया गया है। कंपनी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में TATA Punch का फ्लेक्स फ्यूल वेरिएंट दिखाया था। ऐसा हो सकता है कि कंपनी एक हायर फ्यूल ब्लेंड की अनुकूलता के लिए बाकी गाड़ियों की टेस्टिंग कर रही हो।

गाड़ियों को होन वाले नुकसान

Ethanol स्वभाव से हाइग्रोस्कोपिक होता है और पुरानी गाड़ियों में इसका इस्तेमाल करने से ऐसा नुकसान हो सकता है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता। E100 का इस्तेमाल करने के लिए खास रूप से ट्यून किए गए इंजन की जरूरत होती है और फिलहाल भारत में ऐसी गाड़ियां नहीं हैं जिन्हें E100 फ्यूल पर चलाया जा सके।

पर्यावरण को फायदा

इथेनॉल से पर्यावरण को काफी फायदे हैं जो देश को उसके स्थिरता लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेंगे। Ethanol एग्रीकल्चर वेस्ट से बनाया जाता है जिससे कचरे में कमी आएगी। इसके अवाला, यह पेट्रोल की तुलना में ज्यादा साफ जलता है जिसका मतलब है कि इससे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम होगा।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल ARY न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर का इस्तीफा

■ 100 से ज्यादा सांसद विरोध में थे
■ 7 साल में ब्रिटेन के पांचवें प्रधानमंत्री ने पद छोड़ा

लंदन. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं।

स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। लेबर पार्टी के 400 सांसदों में से 100 से ज्यादा सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

सांसदों का कहना था कि या तो स्टार्मर तुरंत प्रधानमंत्री का पद छोड़ें, या फिर यह तारीख तय करें कि वे किस दिन इस्तीफा देंगे। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, रक्षा मंत्री जॉन हीली और एक अन्य मंत्री जेस फिलिप्स ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग को लेकर पद छोड़ दिया था।

17 जुलाई तक ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिलेगा

स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे। स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III को अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (NEC) नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी। इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

बंगाल- पूर्व TMC विधायक पर लोगों ने अंडे फेंके

■ थाने के बाहर चोर-चोर के नारे लगे

हुगली. पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में रविवार को पूर्व TMC विधायक रामेंदु सिन्हा राय के खिलाफ लोगों का गुस्सा देखने को मिला। जैसे ही पुलिस उन्हें धानियाखाली थाने लेकर पहुंची, बाहर मौजूद लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। कुछ लोगों ने उनपर अंडे भी फेंके।

रामेंदु सिन्हा राय तारकेश्वर विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। पुलिस उन्हें कर्नाटक के बेलगावी से पकड़कर ट्रांजिट रिमांड पर हुगली लाई है। पूर्व विधायक पर सरकारी राहत सामग्री चुराने और विरोध करने पर हथियार दिखाकर धमकाने का आरोप है।

बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद TMC नेताओं के खिलाफ विरोध का यह छठा मामला है। राज्य में BJP सरकार बनने के बाद TMC नेताओं को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा है। कई नेता गिरफ्तार भी हुए हैं।

लखनऊ में भीषण आग, 14 मरे

योगी अलीगढ़ से सीधे घटनास्थल पर पहुंचे

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ में एक तीन मंजिले मकान में आग लगने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है। हताहतों में ज्यादातर वीडियो एनिमेशन सेंटर हेड हूपर्स स्टूडियो के स्टाफ और स्टूडेंट्स हैं। घटनास्थल पर दोपहर से ही मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शव देखकर रोने लगे। उन्होंने कहा कि बचाव ऑपरेशन पूरा हो चुका है। सारे कमरे देख लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 14 बच्चों की मौत हुई है और 4 बच्चे जख्मी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अलीगढ़ का कार्यक्रम छोड़कर लखनऊ लौट आए हैं। योगी सीधे घटनास्थल पर पहुंचे और वहां से केजीएमयू अस्पताल गए हैं। मृतकों और घायलों को केजीएमयू ही भेजा गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की मदद का ऐलान भी किया है।

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक जान बचाने के लिए कई लोग छत से जान-जोखिम में लेकर कूद गए। केजीएमयू अस्पताल के पीआरओ डॉक्टर केके सिंह ने कहा है कि 13 लोगों का शव आया है, जबकि 5 जख्मी हैं, जिनकी हालत खतरे से बाहर है। मरने वालों की संख्या और पहचान को लेकर प्रशासन के आधिकारिक बयान का इंतजार है। ज्यादातर शव दूसरे मंजिल से निकाले गए हैं, जिससे आशंका है कि मृतकों में ज्यादातर लोग एनिमेशन स्टूडियो के कर्मचारी या वो बच्चे हैं, जो स्कूलों की गर्मी छुट्टी के दौरान वीडियो गेम और एनिमेशन का काम सीख रहे थे।

हताहतों में ज्यादातर एनिमेशन स्टूडियो के स्टाफ-स्टूडेंट, छत से कूदकर कई ने बचाई जान

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक आग लगने के बाद आधा दर्जन से ऊपर लोग छत से ही कूद गए जबकि लगभग 15 लोगों ने सीढ़ी से नीचे आकर जान बचाई। मकान के ग्राउंड फ्लोर पर अलीगंज पेट शॉप एंड क्लिनिक नाम से एक दुकान है। पहले मंजिले पर एक दफ्तर बताया जा रहा है, जिसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है।
वीडियो देखने से ऐसा महसूस होता है कि आग पहली मंजिल में लगी और अपने साथ-साथ दूसरी मंजिल को पूरी तरह चपेटे में ले लिया। वैसे, आग लगने की वजह और शुरुआत कहां से हुई, ये जांच से ही साफ हो पाएगा। दूसरी मंजिल पर वीडियो गेम के एनिमेशन का काम करने वाला हेड हूपर्स स्टूडियो है। आग लगने के समय स्टूडियो में कर्मचारी और स्टूडेंट मौजूद थे।

कतर के LNG प्लांट में 'मौत का धमाका', 13 की गई जान

कतर में रास लाफान औद्योगिक शहर में भीषण विस्फोट में 13 लोगों की जान चली गई। कतर एनर्जी ने सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि देश के प्रमुख ऊर्जा केंद्र रास लाफान औद्योगिक शहर के बरजान क्षेत्र में रविवार देर रात हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई। कंपनी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोट घरेलू गैस आपूर्ति संयंत्र को रखरखाव के बाद दोबारा चालू करने की प्रक्रिया के दौरान हुआ।

एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

■ गोपालगंज में घर के बाहर बैठे थे
■ हमलावर ने अचानक कुल्हाड़ी से वार किया, गिरफ्तार

गोपालगंज. बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (PMCH) रेफर किया गया है।

घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना AIIMS रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सदर SDPO- 2 राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले विजेंद्र नाथ तिवारी अपने घर के पास मिट्टी भरवाए थे, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद हुआ था।

जमीनी विवाद में हमले की आशंका

डॉक्टर एके मिश्रा ने बताया कि पीठ पर आधा इंच, एक कंधे पर एक इंच और दूसरे कंधे पर आधा इंच जख्म है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। इसी बीच रविवार को आरोपी राजेश ने विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश साह के पिता महेश साह से विजेंद्र नाथ का विवाद था। इस विवाद में महेश जेल भी जा चुका था। राजेश पिता के जेल जाने का बदला लेना चाहता था।

लेबनान में इजराइली सेना हटाने से इनकार

■ नेतन्याहू बोले- ट्रम्प के इशारों पर काम नहीं करता
■ अमेरिका-ईरान की बातचीत फिर शुरू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि लोग यह समझते हैं कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने पर काम करते हैं, लेकिन यह सच नहीं है।

यरुशलम में आयोजित एक समिट में बोलते हुए नेतन्याहू ने कहा, ₹अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजराइल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रम्प चाहते हैं। लेकिन दोनों ही बातें गलत हैं।

इजराइली पीएम ने कहा कि इजराइल और अमेरिका करीबी सहयोगी जरूर हैं, लेकिन दोनों देशों के अपने-अपने हित हैं और हर मुद्दे पर उनकी राय एक जैसी नहीं होती।

नेतन्याहू ने दोहराया कि इजराइल, ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जरूरत महसूस होगी तब तक इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान में रहेगी।

इस बीच स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत दूसरे दिन शुरू हो गया है। पहला दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तीखे बयानों की वजह से तनावपूर्ण रहा था।

थरूर बोले- जम्मू-कश्मीर की स्थिति में सुधार ,वहां मुझे पॉजिटिव महसूस हुआ

■ कांग्रेस में नाराजगी,
■ कहा- लोगों से मिलकर जमीनी हकीकत समझते

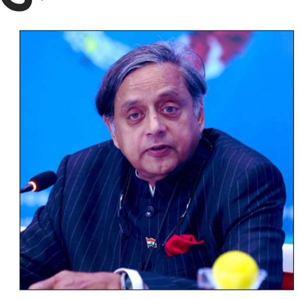

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने बयान के कारण एक बार फिर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, थरूर ने 21 जून को श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- हमने जम्मू-कश्मीर की स्थिति और हालात में आ रहे सुधार पर बात की। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन इस दौरे के बाद मुझे पहले से ज्यादा पॉजिटिव महसूस हुआ।

थरूर के इस पोस्ट को लेकर कांग्रेस के भीतर ही विरोध शुरू हो गया। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि थरूर को कश्मीर के लोगों से भी मिलना चाहिए था, ताकि वे जमीनी हालात को बेहतर तरीके से समझ पाते।

विशेष दर्जा खत्म करने का विरोध करती रही है कांग्रेस

थरूर का बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य नहीं कर पाने का आरोप लगाती रही है। साथ ही पार्टी विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का विरोध करती आई है।
वहीं भाजपा ने थरूर के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग खत्म हो गई हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 18 महीनों में कोई भी कश्मीरी युवा आतंकवादी संगठनों में शामिल नहीं हुआ है।

एशियन रिले चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने गोल्ड जीता

100 मीटर रिले में चीन को हराया
भारत ने कुल 3 पदक अपने नाम किए

भारतीय महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने एशियन रिले चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को हराते हुए 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। इस चैंपियनशिप में भारत ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए हैं।

टीम में श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं। इस चौकड़ी ने रेस के दौरान सटीक बैटन एक्सचेंज और बेहतरीन फिनिशिंग स्पीड का प्रदर्शन किया।

थाईलैंड ने बॉन्ज जीता

भारत ने 43.85 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस रेस में चीन की टीम 44.09 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसने सिल्वर मेडल जीता। वहीं थाईलैंड ने 44.11 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। रिलायंस फाउंडेशन के कोच मार्टिन ओवेन्स के मार्गदर्शन में टीम ने इस रेस प्लान को सफलता के साथ पूरा किया।

तमन्ना और स्नेहा ने जीते दो-दो मेडल

इस चैंपियनशिप में भारत के लिए तमन्ना और स्नेहा शानुवल्ली का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जिन्होंने दो-दो मेडल के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। महिला 4x100 मीटर में गोल्ड जीतने से पहले, इन दोनों एथलीटों ने मिक्स्ड 4x100 मीटर रिले में भी देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। मिक्स्ड टीम में इनके साथ अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव शामिल थे, जिन्होंने 41.27 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस इवेंट में थाईलैंड (41.14 सेकंड) पहले और चीन (41.29 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहा।

मिक्स्ड 4x400 मीटर में भारत को मिला सिल्वर

भारत को टूर्नामेंट का तीसरा पदक मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले इवेंट में मिला। इस टीम में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक शामिल थे। भारतीय चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ रेस पूरी की और सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम की टीम ने जीता।

4x400 मीटर रिले में भारतीय टीमों को मिली निराशा

स्प्रिंट इवेंट्स में सफलता के बाद भारत को 4x400 मीटर रिले इवेंट में पदक से चूकना पड़ा। महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में एमआर पूवम्मा, रशदीप कौर, अनसा बाबू और सलोनी नागर की टीम 3:34.88 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रही। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम (3:31.16 सेकंड) ने जीता।

'सर तन से जुदा' गाने पर डांस

■ स्क्रीन पर पाकिस्तानी की तस्वीर
■ महाराष्ट्र के स्कूल का वीडियो वायरल
■ 4 लोगों पर FIR

जालना. महाराष्ट्र के जालना जिले में एक स्कूल के वार्षिक समारोह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वीडियो में कुछ छात्र मंच पर प्रस्तुति देते दिखाई दे रहे हैं. वीडियो वायरल होने के बाद विवाद शुरू हुआ, शिकायतें हुईं और अब पुलिस ने स्कूल प्रबंधन से जुड़े तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. मामला परतूर इलाके के एक प्राइवेट स्कूल से जुड़ा है. पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है.

दरअसल, ये पूरा मामला जालना जिले के परतूर शहर में स्थित एक प्राइवेट स्कूल का है. स्कूल में 22 फरवरी 2025 को वार्षिक समारोह हुआ था, जिसका वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इस वायरल वीडियो में कुछ छात्र हाथों में नकली तलवारें लेकर एक गीत पर डांस परफॉर्म करते दिखाई दे रहे हैं.

आरोप है कि इस गीत में बार-बार 'सर तन से जुदा' जैसे शब्द सुनाई दे रहे हैं. इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बवाल मच गया और शिकायत की गई. इसी के साथ मामले में कार्रवाई की मांग उठी थी. पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसके अनुसार, जांच में सामने आया कि वीडियो स्कूल के अध्यक्ष और मुख्य अध्यापक द्वारा तैयार किया गया था. वहीं कार्यक्रम में बजाया गया गीत शिक्षक ने चुना था और डांस प्रैक्टिस भी कराई जाएगी.

शिकायत में यह भी कहा गया है कि कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित वीडियो में पाकिस्तान के कट्टरपंथी मुमताज कादरी की तस्वीर भी दिखाई गई थी. इसके अलावा कार्यक्रम की एंकरिंग कर रही महिला द्वारा भी मंच से विवादित नारे दोहराए जाने का आरोप लगाया गया है.

एफआईआर में कहा गया है कि कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंसात्मक संदेश दिया गया. इसी के साथ वहां मौजूद लोगों के मन में ऐसी विचारधारा को बढ़ावा देने की कोशिश की गई.

आम सूचना

मैं श्रीमती मारिया हरी आहुजा सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, हाफ पोर्शन आफ रुम नं. 7, बैरक नं. 39, प्रेमीबाई धर्मशाला के पास, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 15एआय018504800(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री हरि तिर्थमल आहुजा के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 8.11.2024 सी.नं. 777/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मारिया हरी आहुजा

आम सूचना

मैं श्रीमती संगीता लहु भरगुडे सभी को सूचित कर रही हूं कि हाफ पोर्शन आफ रुम नं. 11, बैरक नं. 1372, साईबाबा मंदिर के पास, मराठा सेक्शन, सेक्शन 32, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीआय009527500) उक्त प्रॉपर्टी मिस मामता शंकर कनौजिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.6.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती संगीता लहु भरगुडे

संक्षेप...

गर्भवती महिला की मारपीट के बाद मौत

■ पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे. ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत मुंब्रा पुलिस थाना इलाके में एक गर्भवती महिला की, पेट पर पति और सास द्वारा कथित रूप से लात मारे जाने के बाद मौत हो गई. पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी.

गर्भवती महिला की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, मुंब्रा पुलिस ने 20 जून को आरोपी पति और उसकी मां के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार, आरोपी अक्सर महिला से झगड़ा करते थे. वे इस बात से नाराज थे कि महिला गिरवी रखे गए गहने वापस नहीं ले पाई थी. इसके अलावा, वह गर्भपात कराने से भी इनकार कर रही थी, जबकि ससुराल वाले उस बच्चे को नहीं चाहते थे. बताया गया कि इसी बात को लेकर हुए एक विवाद के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर गर्भवती महिला के पेट पर लात मार दी. इसके बाद महिला को इलाज के लिए एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया.

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका

6 बागी सांसद एकनाथ शिंदे की पार्टी में हुए शामिल

मुंबई. महाराष्ट्र में शिवसेना की सियासी जंग के बीच उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है. शिवसेना (UBT) के 6 बागी सांसद अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं. शिंदे कैंप में शामिल होने वाले सांसदों में संजय दीना पाटिल, संजय देशमुख, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, पाटिल-अष्टिकर और ओमप्रकाश राजेनिंबालकर का नाम शामिल है.

इन सांसदों ने 17 जून को दिल्ली में हुई शिवसेना (UBT) पार्लियामेंट्री पार्टी की मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया था. इसके बाद से ही उनके पार्टी बदलने की अटकलें तेज हो गई थीं. सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान खुद एकनाथ शिंदे ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा, ₹अब मेरे पास तीन संजय हैं.₹ इसके साथ ही उन्होंने 2022 की बगावत को याद किया.

उस समय 40 विधायकों ने बगावत करते हुए एकनाथ शिंदे का साथ दिया था. उन्होंने कहा कि हम हमेशा बालासाहेब ठाकरे की आइडियोलॉजी को बचाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं. ये बगावत का दूसरा चरण हैं. ये सभी छह सांसद असली शिवसेना में शामिल हुए हैं. उनके साथ सिर्फ एक नहीं बल्कि 6 टाइगर मौजूद हैं. शिवसेना परिवार का हिस्सा बन गए हैं.

एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमने इस बार सिक्सर मारा है. हम किसी का रास्ता नहीं काटते, लेकिन अगर कोई हमारा रास्ता काटने की कोशिश करता है तो बालासाहेब ठाकरे ने हमें उसका जोरदार जवाब देना सिखाया है. उन्होंने कहा कि हमारे पास 40 विधायक थे, लेकिन चुनाव में 60 विधायक चुनकर आए. पिछले दो सालों में हमने शिवसेना को मजबूत किया है.

उन्होंने आगे कहा कि हम अपनी हिंदुत्व विचारधारा पर मजबूती से डटे रहे हैं. विचारधारा हमारे लिए सबसे जरूरी है. कुछ लोगों ने विचारधारा छोड़ दी और वोटरों को धोखा दिया. उन्होंने भरोसा दिलाया कि शामिल हुए सभी सांसदों की मांगों और उनके चुनाव क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरा करने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी. इस पार्टी में कोई मास्टर नहीं है. सभी मातहत हैं.

इससे पहले विधायक मुरजी पटेल ने कहा कि शिवसेना UBT अपने MPs को संभाल नहीं पाए. बागी शिवसेना (UBT) सांसद ओमप्रकाश राजेनिंबालकर ने रविवार को शिवसेना में जाने के फैसले को सही ठहराया था. उन्होंने कहा कि यदि लोग पावर की तरफ खिंच रहे हैं, तो वह सिर्फ ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं. विपक्षी सांसदों को डेवलपमेंट फंड नहीं दिया जा रहा है.

दिवा में 39 अनधिकृत गोदामों पर चला बुलडोजर

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में बिना इजाज़त के बनें गोदामों के खिलाफ़ कार्रवाई शुरू की है और दिवा प्रभाग समिति में अनिधिकृत के गोदामों का सर्वे और बेदखली का अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 39 बिना इजाज़त के गोदामों के खिलाफ़ कार्रवाई की गई है।यह अभियान मनपा आयुक्त सौरभ राव और अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे के आदेश पर,उपायुक्त जितेंद्र निकम, उपायुक्त दीपक झिंजाड और दिवा प्रभाग समिति सहायक आयुक्त शिवप्रसाद नागरगोजे के गाइडेंस में चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत शनिवार (20 जून, 2026) को एनक्रोचमेंट डिपार्टमेंट के ज़रिए शिलफाटा के अचार गली इलाके में मौजूद 39 बिना इजाज़त के गोदामों के खिलाफ़ बेदखली की कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में मनपा के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।खाली कराने की कार्रवाई के पहले फेज़ में, केमिकल, प्लास्टिक, आग पकड़ने वाली चीज़ें और स्क्रैप रखने वाले गोदामों को प्राथमिकता दी जा रही है, और संभावित खतरों को रोकने के लिए ऐसे गोदामों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।इस बीच, उपायुक्त दीपक झिंजाड ने कहा कि सरकारी, रिज़र्व और सरकारी प्लॉट पर बने बिना इजाज़त के गोदामों का इंस्पेक्शन और सर्वे चल रहा है, और गैर-कानूनी पाए जाने वाले गोदामों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ठाणे के कुछ हिस्सों में पानी की सप्लाई 48 घंटे के लिए बंद रहेगी

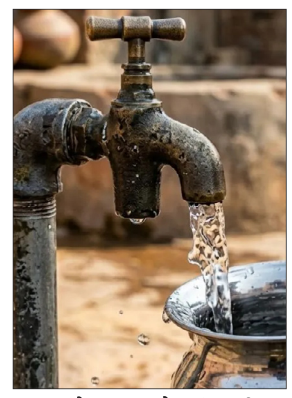

ठाणे. मनपा के मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवाडा-मानपाड़ा और वागले को पानी की एमआईडीसी सप्लाई करता है।एल नीनो और IOD के असर की वजह से इस साल मॉनसून में देरी होने की संभावना है। 19 को वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के साथ हुई रिव्यू मीटिंग के फैसले के मुताबिक, आने वाले समय में पानी की कमी से बचने के लिए पानी की सप्लाई कम करने का फैसला किया गया है। इसके मुताबिक, एमआईडीसी, शहाड के बारवी, जांभूल और शहाड वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर से पानी की सप्लाई बुधवार, 24 को रात 12 बजे से शुक्रवार, 26 को रात 12 बजे तक कुल 48 घंटे के लिए बंद रहेगी।शटडाउन के दौरान, ठाणे मनपा के तहत दिवा, मुंब्रा (वार्ड नंबर 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर) और कलवा वार्ड कमेटी और वागले वार्ड कमेटी के तहत रूपादेवी पाड़ा, किसननगर नंबर 2, नेहरू नगर और मानपाड़ा वार्ड कमेटी के तहत कोलशेत खालचा गांव में 48 घंटे के लिए पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी।लोगों को ध्यान देना चाहिए कि पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी कम प्रेशर पर आएगा। लोगों से अपील की गई है कि वे पानी कटौती के दौरान पानी का कम इस्तेमाल करके ठाणे मनपा का सहयोग करें।

सालों की रुकावट दूर; मुंबई रूट को राहत!

ठाणे. मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक को आसान बनाने के लिए कोपरी ट्रैफिक विभाग की कोशिशें आखिरकार रंग लाई हैं। मुंबई मनपा (BMC) ने आनंदनगर पुलिस पोस्ट के पास ट्रैफिक में रुकावट डाल रहे ब्रिटिश ज़माने के नाले पर कंक्रीट स्लैब बिछा दिया है, और पुरानी ऑक्ट्रॉय दीवार को भी हटा दिया गया है। इससे मुंबई की ओर जाने वाली गाड़ियों के लिए ज़्यादा जगह मिल गई है।हरिओमनगर जंक्शन, शिवराज होटल और आनंदनगर इलाका मुंबई की ओर जाने वाली गाड़ियों के लिए बहुत ज़रूरी रूट माना जाता है। लेकिन, इस जगह पर पुराना नाला होने की वजह से सड़क की चौड़ाई कम हो गई थी। इस वजह से सुबह और शाम के रश आवर्स में बहुत ज़्यादा ट्रैफिक जाम लगता था। अक्सर जाम का असर एक्सप्रेसवे पर भी दिखता था। ड्राइवरों का समय बर्बाद होने के साथ-साथ फ्यूल की बर्बादी और पॉल्यूशन भी बढ़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ के गाइडेंस में कोपरी ट्रैफिक ने मुंबई मनपा के साथ लगातार कोऑर्डिनेट किया। इसके अनुसार, ट्रैफिक स्टडी, फिजिकल इंस्पेक्शन और टेक्निकल पहलुओं पर विचार करने के बाद इस जगह पर परमानेंट उपाय करने का फैसला किया गया। इसके अनुसार, मुंबई मनपा नाले पर मजबूत कंक्रीट स्लैब बिछाकर सड़क को ट्रैफिक के लिए खोल देगा।इसके अलावा, सड़क के किनारे लगे टेलीफोन बॉक्स और पुरानी ऑक्ट्रॉय दीवार को हटाकर एक्स्ट्रा जगह उपलब्ध कराई गई है। इससे गाड़ियां आसानी से निकल सकेंगी और ट्रैफिक का फ्लो बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह बदलाव खासकर उन हजारों नागरिकों के लिए फायदेमंद है जो काम के लिए मुंबई जाते हैं।

मुंबई मनपा और ट्रैफिक विभाग के बीच कोऑर्डिनेशन से यह रुकावट दूर हो गई। अगर अलग-अलग एजेंसियां मिलकर काम करें, तो नागरिकों की समस्याओं को और अच्छे से हल किया जा सकता है।

शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं तो सावधान!

ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने स्टूडेंट्स की जान खतरे में डालने वाले बस ड्राइवर को थप्पड़ मारा

■ **93 स्कूलों के व्हीकल इंस्पेक्शन में एक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज**

ठाणे. ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करते हुए नशे में स्कूल बस चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ एक्शन लिया है। ट्रैफिक पुलिस ने ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के तहत आने वाले स्कूलों का सरप्राइज विजिट किया और 366 ड्राइवरों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया। इसमें अंबरनाथ के एक प्राइवेट स्कूल के बस ड्राइवरों के खिलाफ एक्शन लिया गया। पुलिस ने स्टूडेंट्स की जान खतरे में डालने वालों पर थप्पड़ मारे हैं और चेतावनी दी है कि अगर आप शराब पीकर स्कूल व्हीकल चलाते हैं, तो सावधान रहें।शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों से एक्सीडेंट का चांस बढ़ जाता है। इसी तरह, शराब पीकर स्कूल व्हीकल चलाने वाले ड्राइवर स्टूडेंट्स की जान खतरे में डाल रहे हैं। इसी सिलसिले में ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के तहत आने वाले करीब 93 स्कूलों का सरप्राइज विजिट किया। सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच चलाए गए इस खास कैंपेन में 370 बसों की जांच की गई। इसमें बैज, यूनिफॉर्म, गाड़ियों का PUC, इंश्योरेंस के साथ-साथ बसों में लगे CCTV कैमरे भी चेक किए गए। साथ ही, कुल 366 ड्राइवरों का ड्रंक ड्राइविंग के लिए टेस्ट किया गया। इसमें देखा गया कि अंबरनाथ वेस्ट में फादर एंजेल स्कूल का बस ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। बस ड्राइवर का नाम बाबा मंजरी (उम्र 26) है और उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।उपायुक्त ट्रैफिक पुलिस पंकज शिरसाठ ने कहा कि स्कूल बस ड्राइवरों का शराब पीकर गाड़ी चलाना बहुत खतरनाक है। स्कूलों को अपने ड्राइवरों का रोज़ाना या कम से कम हफ्ते में एक बार 'ब्रेथ एनालाइजर' से टेस्ट करना चाहिए। ऐसे ड्राइवरों के खिलाफ केस दर्ज किए जाएंगे जो स्टूडेंट्स की जान को खतरे में डालते हैं।

> **पेरेंट्स अलर्ट रहें**
>
> अगर स्कूल बस ड्राइवर का व्यवहार संदिग्ध हो या शराब पीने का शक हो, तो बच्चों को गाड़ी में न बैठाएं। अगर ड्राइवर का गलत व्यवहार पाया जाता है, तो तुरंत स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस को 112 पर शिकायत करनी चाहिए।

2.27 करोड़ की ड्रग्स के साथ दिल्ली का तस्कर गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने, बैंकॉक से तस्करी कर लाई जा रही करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त की है.विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने दिल्ली निवासी 42 वर्षीय बल धारी मान को हिरासत में लिया है. तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग से कपड़ों के बीच छिपाकर रखे गए तीन पैकेट बरामद हुए, जिनमें उच्च गुणवत्ता वाली हाइड्रोपोनिक भांग (कैनाबिस) भरी हुई थी.

सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, बरामद की गई हाइड्रोपोनिक भांग का कुल वजन 2,272 ग्राम है. जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.27 करोड़ रुपये आंकी गई है. पूछताछ और बयान दर्ज किए जाने के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है.

कृति सेनन - इंजीनियरिंग छोड़ चुनी एक्टिंग की राह

'कॉकटेल 2' का जिक्र होने से सबसे पहले जहन में कृति सेनन का ही नाम आता है. फिल्म में एक्ट्रेस के कातिलाना लुक्स और अभिनय की जितनी तारीफ की जाए कम है. आज हिंदी फिल्मों पर राज करने वाली कृति सेनन ने अपने करियर की शुरुआत साउथ से की थी और उनकी पहली फिल्म महेश बाबू के साथ थी.

महेश बाबू की एक्ट्रेस ने हीरोपंती से हिंदी फिल्मों का रुख किया था. पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं. दोनों की केमिस्ट्री को पहली फिल्म में काफी पसंद किया गया था. ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हिट भी रही थी.

नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्ट्रेस कृति सेनन का यहां तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था. एक सामान्य परिवार में पली-बढ़ी कृति सेनन ने खुद इंजीनियरिंग की है, लेकिन उनका सपना सिल्वर स्क्रीन पर कुछ बड़ा कर दिखाने का थ. एक्ट्रेस की मां गीता सेनन दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं और पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं.

नोएडा के जेपी इंस्टिट्यूट से इंजीनियरिंग करने के बाद कृति सेनन ने फिल्मों का रुख किया. एक्ट्रेस ने महेश बाबू के साथ फिल्मों में अपनी पारी का आगाज किया था. कृति ने साल 2014 में तेलुगु फिल्म '1: नेनोक्काडिने' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार महेश बाबू नजर आए थे. पहली ही फिल्म में उनकी स्क्रीन प्रेजेंस को काफी पसंद किया गया.

इसी साल उन्होंने बॉलीवुड में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से कदम रखा. फिल्म हिट रही और कृति को बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला.इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. कृति ने 'दिलवाले', 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'हाउसफुल 4' और 'पानीपत' जैसी फिल्मों में काम करके साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमरस रोल तक सीमित नहीं हैं. रोमांस, कॉमेडी और गंभीर किरदारों में भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई.

संत आसाराम बापू के रायता आश्रम में दो दिवसीय सेवा साधना अनुष्ठान सम्पन्न

आदि जगद्गुरु शंकराचार्य त्रिकाल भवन्ता सरस्वतीजी ने कहा सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता

कल्याण. कल्याण तालुका के रायता मानेवली स्थित संत श्री आसाराम बापू के आश्रम में संपन्न हुए दो दिवसीय 'सेवा साधना अनुष्ठान' में उपस्थित 'अखाड़ा परी' की संस्थापक आदि जगद्गुरु शंकराचार्य त्रिकाल भवन्ता सरस्वती साध्वीजी महाराज ने अपने संबोधन में संत श्री आसाराम बापू की सराहना करते हुए कहा कि सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता भी होगा जो आप सभी साधक चाहते हैं बापू फिर आप सबके बीच होंगे इस दौरान रायता के आश्रम में बापू के हजारों समर्थक मौजूद थे। आश्रम समिति और आयोजन समिति के प्रमुख विशाल गुप्ता ने कहा कि इस 'विशाल साधक सम्मेलन' एवं 'ऋषि प्रसाद सम्मेलन' में भक्तों ने हमेशा बापू के बताए गए धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुसार चलने पर जोर दिया हैं और पूज्य संत श्री आशारामजी बापू ने धर्म रक्षा हेतु जो अभूतपूर्व कार्य किए है, वह अतुलनीय है ।उन्हें जेल में रखने से सनातन धर्म और हिन्दू समाज को अपूरणीय क्षति हुई है ।88 वर्ष की उनकी उम्र हो गयी है उन्हें शीघ्र रिहा करना चाहिए ।साथ ही सरकार को बापूजी के अहमदाबाद आश्रम की सुरक्षा भी करना चाहिए । अहमदाबाद स्थित बापूजी का आश्रम देश-विदेश के समस्त आश्रमों का मूल केन्द्र है ।यहाँ से ही करोड़ों लोगों को धर्मरक्षा, समाज सेवा, गौसेवा आदि की प्रेरणा मिलती रही है ।

जिन संतश्री ने धर्म-संस्कृति, सनातन, देश और मानवता के, समाज के हित में अपना पूरा जीवन अर्पण कर दिया है, उनके आश्रम की रक्षा करना सरकार एवं हम सभी का कर्तव्य है । सरकार से विनम्र निवेदन है कि आश्रम को क्षति पहुँचाए बिना कई वैकल्पिक समाधान हैं उन्हें अपनाये । बापूजी के देशहितकारी प्रकल्प समाज के लिए किसी भी खेल के मैदान से या अन्य किसी भी प्रवृत्ति से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हैं । सत्संग, संस्कार, भक्ति से सुंदर समाज का निर्माण होता है ।सरकार को संतों के आश्रमों की रक्षा करनी चाहिए ।

इस मौके पर उल्हासनगर आश्रम के मुख्य संचालक सत्येंद्र भाई एवं रायता आश्रम संचालक रघुभाई , ऋषि प्रसाद के प्रमुख रामभाई के अलावा डोंबिवली योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष हरीश यादव, श्री जोशी, उल्हासनगर समिति के अध्यक्ष कमलेश पंजाबी, प्रकाश सोनी, वसंत जगताप, ऋषि प्रसाद आयोजन के प्रमुख कृष्णानंद तिवारी, प्रकाश पड़गल, अमित राव, रामदास कजरी, वसंत जगताप, अशोक बी. लॉर्ड, दीपक गुजरी, राजेश पारवानी, प्रकाश हर्बल, महादेव वाडेकर, रवि सोनी, आनंदी बेन ज्योति, उषा सिंह, रामदास कादरी, भवानी शुक्ला के अलावा युवा सेवा संघ रायता आश्रम के अध्यक्ष चंद्रकांत सालुंखे एवं उपाध्यक्ष विनायक सहित तमाम सेवादारी उपस्थित थे। अनुष्ठान में सेवादारी एवं अनुयायियों ने आदि जगद्गुरु शंकराचार्य त्रिकाल साध्वी भवन्ता सरस्वतीजी महाराज की सेवा-साधना कर इस दुर्लभ अवसर का धार्मिक लाभ लिया। अंत में शंकराचार्य श्री साध्वीजी के द्वारा आश्रम समिति एवं आयोजन समिति के प्रमुख विशाल गुप्ता एवं अन्य सेवादारों का आशीर्वाद स्वरूप सम्मान किया गया ।इस दौरान बापू के हजारों अनुयाई, समर्थक रायता आश्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के साथ सभी का सम्मान किया गया।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is **JAYKAR VILAS** to New Name **VILAS SOPAN JAYKAR.** In Maharashtra Govt. Gazette no. (M-26132857) So All Public now call me **VILAS SOPAN JAYKAR** .

Add. Pach Pandav Colony, Chal no. 4, Room no. 6, Lal Chakki Road, Bramhan pada, Ulhasnagar- 421004

आम सूचना

मैं श्री अक्षय दीपक वारंदल सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, यू.नं. 167(पी), शीट नं. 13, गणेश नगर, आयटीटी गेट के सामने, आरपीसी के पास, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीआय012592300) उक्त प्रॉपर्टी श्री बालू शत्रुघ्न क्षीरसागर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.3.2021 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अक्षय दीपक वारंदल

आम सूचना

मैं श्री गणेश अच्युत वराडकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, धोबीघाट, कमला नेहरू नगर, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 42सीओ012473700) उक्त प्रॉपर्टी श्री अच्युत लक्ष्मण वराडकर के नाम पर है। श्रीमती विनया अच्युत वराडकर, श्रीमती नम्रता अशोक गुंडेय, श्रीमती अश्विनी अविनाश ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 21.6.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गणेश अच्युत वराडकर

परमीट
जाहिर नोटीस

लोकांच्या माहितीसाठी याद्वारे कळविण्यात येते की, **परमीट नं. 2388/Ulhasnagar** मध्ये समाविष्ट असलेल्या रिक्षा क्र. **MH-05-BG-3278** चे मालक **श्री. सुभाष महादेव चौधरी** यांचे दिनांक **15/12/2025** रोजी निधन झालेले आहे.

श्रीमती जया सुभाष चौधरी (पत्नी) उपरोलेलखित वाहनांच्या कब्जा उत्तराधिकारी असल्यामुळे सदर परवान्याचा वापर करण्याचा माझा इरादा आहे आणि त्यानुसार त्या परवान्याचे माझ्या नावा ने हस्तांतरण होण्यासाठी मी उपप्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण यांचेकडे अर्ज केलेला आहे.

याबाबतीत कोणताही दावा सांगणा-या किंवा हरकत असलेल्या कोणत्याही व्यक्तीने ही नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून 7 दिवसांच्या आत असा दावा किंवा हरकत उपप्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण यांच्या निदर्शनास आणून दिली पाहिजे.

सही/-
श्रीमती जया सुभाष चौधरी (पत्नी)
तानाजी नगर, एमआईडीसी रोड, तुकाराम मंदिर समोर, उल्हासनगर-421001, जि. ठाणे.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099